

सामान्य भूमि उपयोग का परिवर्तनशील प्रारूप (उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जनपद के विशेष संदर्भ में)

डॉ० कामदेव यादव

l gk; d i k/; ki d& Hkukksy foHkkx
ckcyky ; kno dkkyst] Mkkkh] x; k

fdl h {ks= dk Hkfiie mi ; ksx ogka ds i kdfird , oa l kLdfird mi knkuka ds
l a ksx dk ifrQy gkrk gA vFkkZr ekuo i kdfird , oa ekuoh; ifjos'k l s
l keatL; LFkkfir djrs gq Hkfiie&l d k/ku dk vf/kdkf/kd mi ; ksx djus dk l rr~
iz kl djrk g} bl izdkj i kdfird l d k/kuka ea Hkfiie vfr egRoi wkZ , oa i kFkfed
vko' ; drkvka dh ifirZ i R{k : lk l s Hkfiie l d k/ku l s gkrh gA bl ds vfrfjDr
ekuo dh vl; cgr l h mPp vko' ; drk; a ; Fkk&Å tk] vks] kfxd] dPps eky dk
mRi knu] m | ksx&/kbl/kj eukjatu ds fy, i kd] [ksy&dm ds eñku] ckx&cxhp}
परिवहन एवं आवागमन, आवास, विद्यालय संस्थान, चिकित्सालय, कार्यालय, कृषि
mRi knu ea l g; ksxkFkZ fl pkbZ ds l k/ku] ugj] dq] rkykc] uydi vkn Hkh Hkfiie
ij gh fufeZr gkrs gA vr% Hkfiie ekuo gsrq , d vk/kkj Hkfiie vfuok; Z l d k/ku gA
mnns' ;

- 1- i Lnr 'kks'k dk mnns' ; xkj [kj tuin ea Hkfiie mi ; ksx ea gks jgs ifjorZuka
का विश्लेषण करना है
- 2- Hkfiie mi ; ksx ea gks jgs ifjorZuka ds ifj.kkeLo: lk mRi l u l el L; kvka dk
l ek/kku i Lnr djuka

वर्षों के विकास के लिए

वर्षों की इकाई का विकास खण्ड मानी गई परिवर्तन के स्पष्टीकरण के लिए, 1975 से 2012 तक के विकास के लिए एक ग्राफ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए। मानचित्रण के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून राष्ट्रीय एटलस व थिमेटिक मानचित्रण संगठन कोलकाला, उ० प्र० प्रशासनिक एटलस भोल्यूम-1 के विकास के लिए एक ग्राफ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए। मानचित्रण के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून राष्ट्रीय एटलस व थिमेटिक मानचित्रण संगठन कोलकाला, उ० प्र० प्रशासनिक एटलस भोल्यूम-1 के विकास के लिए एक ग्राफ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए।

वर्षों के विकास के लिए

वर्षों की इकाई का विकास खण्ड मानी गई परिवर्तन के स्पष्टीकरण के लिए, 1975 से 2012 तक के विकास के लिए एक ग्राफ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए। मानचित्रण के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून राष्ट्रीय एटलस व थिमेटिक मानचित्रण संगठन कोलकाला, उ० प्र० प्रशासनिक एटलस भोल्यूम-1 के विकास के लिए एक ग्राफ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए। मानचित्रण के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून राष्ट्रीय एटलस व थिमेटिक मानचित्रण संगठन कोलकाला, उ० प्र० प्रशासनिक एटलस भोल्यूम-1 के विकास के लिए एक ग्राफ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए।

वर्षों के विकास के लिए

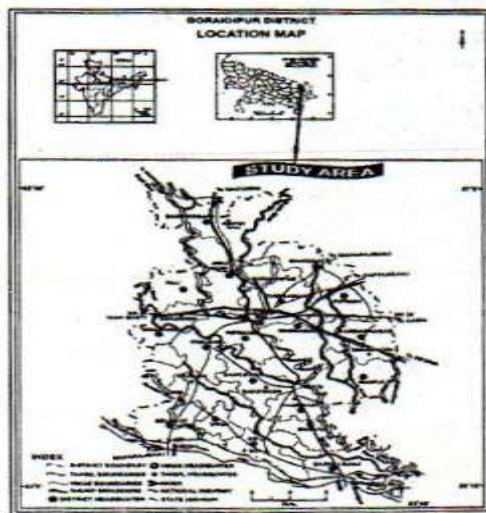
वर्षों की इकाई का विकास खण्ड मानी गई परिवर्तन के स्पष्टीकरण के लिए, 1975 से 2012 तक के विकास के लिए एक ग्राफ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए। मानचित्रण के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून राष्ट्रीय एटलस व थिमेटिक मानचित्रण संगठन कोलकाला, उ० प्र० प्रशासनिक एटलस भोल्यूम-1 के विकास के लिए एक ग्राफ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए।

1/2 ou Hkife ds vllrxir ckx&ckxhps dks l ffeefyr fd; k x; k gA ; g dgy 7726 gDVs j {k= ij Qs yk g} tks dgy {k=Qy dk 2-35 ifr'kr gA

(2) दूसरा संवर्ग कृषि अनुप्रयुक्त भूमि का है, जिसके अन्तर्गत कृषि के अतिरिक्त वल; mi ; kx es yk; h tkus okyh Hkife l ffeefyr gA bl dk dgy {k=Qy 49096 gDVs j vFkkir 11-85 ifr'kr gA

(3) चौथा संवर्ग कृषि योग्य बेकार भूमि का है, जो कुल क्षेत्रफल का 0-56 ifr'kr gA

(4) पाचवां संवर्ग क्षेत्रफल (243729 हेक्टेयर) एवं आर्थिक महत्व की दृष्टि से शुद्ध कृषि भूमि का है, जिसके अन्तर्गत सम्पूर्ण क्षेत्रफल का 74-25 ifr'kr Hkife l ffeefyr gA



Rkfydk 1-1 xkj [ki g tui n ea l keku; Hkife mi ; kx

Øe	Hkñe dk Js kh	1975		2020		
		{ks=Qy ½gDVsj½	fodkl ds dty क्षे० का :	क्षेत्र० gDVsj	fodkl ds कुल क्षेत्र० dk %	ifjorL ½ifr'kr e½ 1975&2020
1-	ou	22880	6-87	7726	2-35	&66
2-	कृषि अनुप्रयुक्त भूमि	39464	11-85	49096	14-96	\$24-4
3-	कृषि योग्य बेकार Hkñe	3459	1-04	1836	0-56	&46-9
4-	ijrh Hkñe	9617	2-89	25854	7-88	\$166-8
5-	शुद्ध कृषिगत भूमि	264735	79-51	243729	74-25	&79

l kr& l kñ [; dh if=dk] tuin xkj [ki g ¼' kks/kkfFKLuh }kjk ifjxf.kr½

ou Hkñe &

ou Hkñe"; dk egRoiwLz thoh; l d k/ku g\$ ftl dh l d k/ku ekuo dh आवश्यकताओं व योग्यताओं में निहित है। सामाजिक, एवं पर्यावरणीय दृष्टि से वनों का सर्वाधिक महत्व है। राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार सम्पूर्ण भौगोलिक क्षे= dk yxHkx , d frgkbl Hkx lk; kLr l k/ku ; Ør ou l s vkPNkfnr gkuk pkfg, A bl ds vuq kj e½kuh Hkxka ea 25 ifr'kr rFkk iozh; Hkxka ea 60 ifr'kr {ks= dk oukPNkfnr djus dh vko'; drk gA

{ks=h forj.k ifr: lk

v/; ; u {ks= ea dty ou Hkñe ds vLrxr 7726 gDVsj ½-35½ Hkñe gA xkj [ki g tuin ea lokf/kd ou Hkñe 11-13 ifr'kr [kkjkckj fodkl [k.M ea rFkk l cl s de ou Hkñe fi ijksh fodkl [k.M ea 0-20 ifr'kr g\$ tcf 73-68 ifr'kr fodkl [k.M , d s g\$ ftuea ou {ks= 2 ifr'kr l s de gA 5-26 ifr'kr fodkl [k.Mka ea 2&4 ifr'kr] 5-26 ifr'kr fodkl [k.Mks ea 4-61 ifr'kr] 10-52 ifr'kr fodkl [k.Mka ea 6&8 ifr'kr ou {ks= , oa ek= 5-26+ ifr'kr fodkl

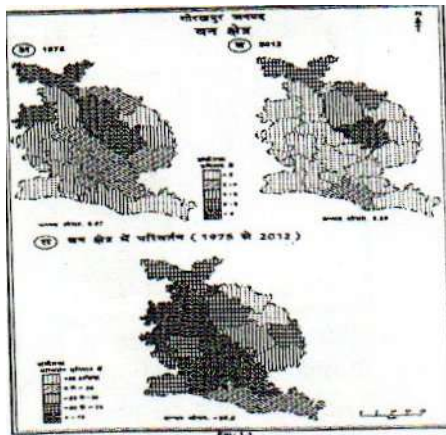
[k. Mka ea 8 ifr'kr l s vf/kd ou {ks= gA bl प्रकार स्पष्ट है कि वन का क्षेत्र xkj [ki g tuin es cgr gh de gA ; gk ds ek= 5 fodkl [k. Mks [kkj kckj ¼11-13%½ dEi ; jxat ¼6-70%½ HkVgV ¼6-66%½ pjxk ¼5-69%½ , oa xsyk ea gh vkS r ¼2-35%½ l s vf/kd ou {ks= ik; k tkrk gA vU; l Hkh 14 fodkl [k. Mks ea ou {ks= vkS r ¼2-35%½ l s de ik; k tkrk g\$ ftuea [ktuh ¼1-76%½ l jnkjuxj ¼1-71%½ cEgi g ¼1-63%½ cMgyxk ¼1-30%½ fi jkbp ¼1-27%½ , oa m: ok ¼0-75%½ vkfn fodkl [k. M l fEefyr gA

rkfydk 1-2 % xkj [ki g tuin ou {ks= dk forj .k

Øe	Js kh	ifr'kr	fodkl [k. Mka dh l a ; k		fodkl [k. Mka dk %	
			1975	2012	1975	2012
1	vfr fuEu	<2	3	14	15.78	73.68
2-	fuEu	2-4	6	1	31.57	5.26
3-	e/;	4-6	6	1	31.57	5.26
4-	mPp	6-8	-	2	-	10.52
5-	vfr mPp	>8	4	1	21.05	5.26

l kr & l kf[; dh if=dk] tuin xkj [ki g ¼ kks/kkfFKZuh }kj k ifjxf.kr½ bl idkj fp= 1-1 से स्पष्ट है कि सन् 1975 में उच्च वन क्षेत्र , d iVVh ds : lk ea mÜkj l s nf{k.k dh vkj ufn; ka ds ?kkfV; ka ea foLr'r Fkk] tcfd l u-2012 ea ek= mÜkj h Nkj ij fLFkr dEi ; jxat ea gh ; g dk; e g\$ ckdh ds l Hkh {ks=ka ea ou ; k rks l eklr gks x; s g\$; k cgr gh de gA mnkgj.k ds fy, ikyh] pjxk ¼ [kkj kckj , oa dEi ; jxat fodkl [k. Mka ea tgk 1975 ea ou {ks= 8% l s vf/kd Fkk] 2012 es ; g 2-35 ifr'kr l s Hkh de gks x; k gA mYys[kuh; g\$ fd

ou {ks= dh iVvh cu pph g} ftl dk iæ[k dkj.k c<rh tul a[; k dh vko'; drkvka ds dkj.k fnu&ifrnu ouka dk dVko gA v/; ; u {ks= ds inhz fdukjs ij fLFkr fodkl [k.Mka ea Hkh ou {ks= 2012 dh vi{kk 1975 ea vf/kd Fkk tks 1 ifr'kr l s Hkh de gks ppk gA



rkfydk 1-3 से स्पष्ट है [k.Mka ea ou Hkfe 8

fd 1975 ea 4 fodkl ifr'kr l s vf/kd Fkk

ijUrj 2012 ea ; g ?kVdj 1 jg x; k gA 1975 ea vfr U; u 1/2%1/2 ou Hkfe okys fodkl [k.Mka dh l a[; k 3 Fkh tks 2012 ea c<ej 14 gks x; hA dgy feyk dj 37 वर्ष की अवधि में वन में भारी ह्रास हुआ है।

tul a[; k ds c<rs ncko rFkk o{ka dh va/kk/kqk dVkbZ ds dkj.k , d h Hkfe ea vksj vf/kd àkl gksus dh l blkkouk gA ou Hkfe ds vUrxr ckxka , oa >kfM+ ka vkfn dh Hkfe Hkh l feefyr gs vksj buea Hkh lk; kZr deh vk; h gA ij kjs ckx l eklr gksus tk jgs gA vksj u; s ckx fujUrj NkVs gkrs tkrkdj ds dkj.k ugha yxk; s tk jgs gA >kfM+ ka वाली भूमि भी कृषि के अन्तर्गत सम्मिलित कर ली जा jgh gA

d'k vuq; Pr Hkfe

कृषि अनुपयुक्त भूमि से तात्पर्य उस भूमि से है, जिसे वैज्ञानिक अनुसंधानों, उन्नतकृषि यन्त्रों, सिंचाई के साधनों, नवीन तकनीकों एवं अन्य सुविधाओं के उपरान्त

भी आर्थिक दृष्टि से शुद्ध-लाभ देने वाले कृषिगत क्षेत्रों के अन्तर्गत, परिवर्तित नहीं
 fd;k tk l drk gA bl ds vllrxr vf/kokl] ifjogu ekx] tyk'k; vk] k
 कब्रिस्तान (असर एवं कृषि अयोग्य भूमि) आदि को सम्मिलित किया जाता है। ये ऐसे
 भू-भाग हैं जो मृदा के दृष्टिकोण से उपजाऊ होते हुए भी कृषि हेतु उपलब्ध नहीं
 gkrs gA

rkfydk 1-3 गोरखपुर जनपद में कृषि अनुपयुक्त भूमि को श्रेणीगत वितरण

Øe	Js kh	ifr'kr	fodkl [k. Mka dh l a[; k		fodkl [k. Mka dk %	
			1975	2012	1975	2012
1	vfr fuEu	<8	7	-	36.68	-
2-	fuEu	8-10	4	-	21.05	-
3-	e/;	10-12	2	1	10.52	5.26
4-	mPp	12-14	3	8	15.18	42.10
5-	vfr mPp	>14	3	10	15.78	52.63

l kr& l kf[; dh if=dk] tuin xkj [ki g ¼' kks/kkfFkLuh }kjk ifjxf.kr½

{k=h; forj.k ifr: lk

v/; ; u {k= ea dgy ifronu {k=Qy ds 14-96 प्रतिशत भाग पर कृषि
 vuq; Dr भूमि है, जो कुल 49096 हे० है। इसमें अकृष्य भूमि के प्रमुख उपवर्गों
 असर एवं कृषि अयोग्य तथा कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग में लायी गयी भूमि भी
 सम्मिलित है। कृषि अनुपयुक्त भूमि का सबसे अधिक विस्तार कैम्पियरगंज विकास
 [k. M ea 35-52 ifr'kr rFkk l cl s de Qsyko dkMh]ke fodkl [k. M ea 11-59
 ifr'kr gA tuin ds dgy 19 ea l s 8 fodkl [k. Mks ea vk] r ¼14-96%½ l s
 अधिक कृषि अनुपयुक्त भूमि शेष 11 विकास खण्डों में औसत से कम है। जिन
 विकास खण्डों में औसत से अधिक अकृष्य भूमि है, उनमें कैम्पियरगंज (35-52%½

[kjkckj 1/20-96%] xkyk 1/18-68%] csy?kkV 1/18-52%] pjxkdk 1/17-91%] cMgyxat 1/15-39%] l jnkjuxj 1/15-24%] , oa txy dksM+k 1/15-05%] gA vuq; Pr Hkfe dks 5 Jf.k; ka ea j [kdj {ks=h; forj.k fn[kk; k x; k gA vfr mPp 1/14% l s vf/kd] ds vLrxr 52-63% 1/10% fodkl [k.M vkrs g\$ budk forj.k मध्य एवं उत्तरी-पूर्वी भाग में है। उच्च कृषि अनुपयुक्त भूमि के प्रतिशत का दूसरा {ks= nf{k.kh l hekorhZ Hkkx ea gA ftl ds vLrxr 8 fodkl [k.M gA e/; e Js kh 1/10&12%] l s vLrxr ek= 1 feyk dj {ks= ds mUkj h l Hkkx ea mUkj h&i dh l s मध्यवर्ती एवं दक्षिण सीमावर्ती क्षेत्र तक कृषि अनुपयुक्त भूमि का उँचा प्रतिशत मिलता है, जबकि क्षेत्र के मध्य-पश्चिमी तथा मध्य-पूर्वी हिस्से में अकृष्य भूमि प्रायः vk\$ r 1/14-96%) से कम मिलती है। 1975 में कृषि अनुपयुक्त भूमि का वितरण (चित्र 1-2] orZeku dh vi\$kk vfu;fer Fkka , d vkj 3 fodkl [k.Mka ea 14% l s अधिक अकृष्य भूमि, थी तो दूसरी ओर 7 विकास खण्डों में 8% से कम है। अकृष्य Hkfe dh l ki f\$kd vf/kdrk okys fodkl [k.M ; =&r= i dh.kz gA fp= 1-2 से स्पष्ट है कि अकृष्य भूमि में सदैव वृद्धि की प्रवृत्ति रही है। गोरखपुर tuपद में 1975 में अकृष्य भूमि 39464 हे० (11-85%] Fkh] tks 2012 ea c<dj 49096 हे० (14-96%) हो गयी, इस प्रकार 1975-2012 के मध्य 37 वर्षों में इसमें 9632 हे० (24-4%] dh 'kq) of) gP A

bl iZkj ns[kk tk; s rks 5 fodkl [k.M pjxkdk] i kyh] fi i jkSyh] csy?kkV , oa cMgyxat ea 50% की अकृष्य भूमि में कमी आयी है, जबकि 14 fodkl [k.Mka ea 50 l s 100% की कृषि अनुपयुक्त भूमि में वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर अकृष्य भूमि निरन्तर बढ़ रही है और कृष्येत्तर कार्यों में वृद्धि के कारण भविष्य में ऐसी भूमि के

कृषि बेकार भूमि का वितरण

कृषि बेकार भूमि

गोरेखपुर जनपद में कृषि बेकार भूमि का वितरण

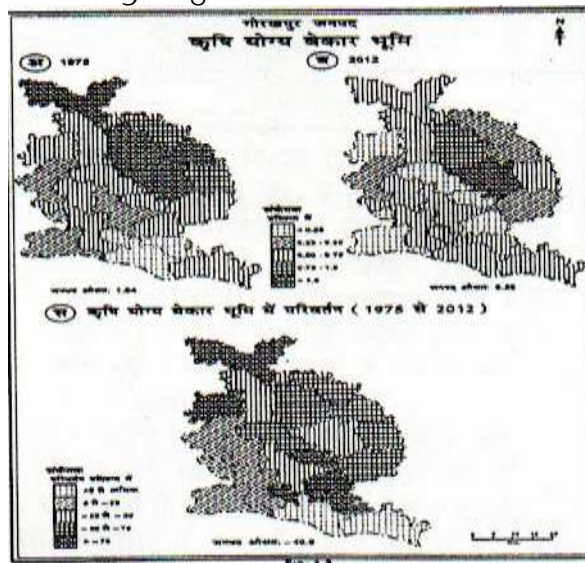
रकम 1-4 : गोरेखपुर जनपद: कृषि बेकार भूमि का वितरण

Øe	Js kh	ifr'kr	fodkl [k. Mka dh l a[; k		fodkl [k. Mka dk %	
			1975	2012	1975	2012
1	vfr fuEu	<0.25	2	4	10.52	21.05
2-	fuEu	0.25-0.50	3	4	15.78	21.05
3-	e/;	0.50-1.00	8	9	42.10	47.36
4-	mPp	1.00-1.5	2	1	10.52	2.26
5-	vfr mPp	>1.50	4	1	21.05	5.26

कृषि बेकार भूमि का वितरण

अध्ययन क्षेत्र में कृषि बेकार भूमि में ह्रास हुआ है कुल प्रतिवेदन क्षेत्र का मात्र 0-56%½ Hkkx gh ccdkj Hkfe g\$ tks dgy 1836 gDVs j gA vfr l ?ku tul a[; k ds l kFk gh moj , oa l ery e\$kuh Hkkxdh mi yC/krk आदि कृषि अनुकूल दशाओं के कारण कृषि बेकार भूमि का कम होना स्वभाविक है।

सर्वाधिक कृषि बेकार भूमि खोराबार विकास खण्ड में 1-6% g\$ rFkk l cl s de
dkMhjk e fodkl [k.M ea 0-07% gA bl idkj dy 9 ¼47-36%½ fodkl [k.Mka ea
कृषि बेकार भूमि औसत से अधिक है, जबकि 10 (52-63%½ fodkl [k.Mka ea {ks=h;
औसत से कम है। कृषि बेकार भूमि को पाँच श्रेणियों में विभक्त का क्षेत्रीय वितरण
inf'kr fd;k x;k gA ¼fp= 1-3 , oarkfydk 1-6¼A vfrmPp Jskh ¼1-50% l s
vf/kd½ es dby [kkjkckj fdokl [k.M g\$ tdfd l u-1975 ea bl Jskh ea dy
4 ¼21-05%½ fodkl [k.M l ffeefyr gA



; s fodkl [k.M {ks= ds mÙkj h , oamÙkj h i nhz Hkkx ea foLr'r FkA mPp Jskh ¼1-
00&1-5%½ ea dby , d fodkl [k.M pjxkok g\$ tdfd 1975 ea bl ea 2 ¼10-
52%½ fodkl [k.M FkA e/; e Jskh ¼0-5&1-00%½ ds vÙrxr 9 fodkl [k.M g\$
tdfd 1975 ea bl Jskh ds vÙrxr 8 fodkl [k.M {ks= ds mÙkj h&i f' peh , oa
e/; orh;] nf{k.k Hkkx ea ; =&r= Qsys gq gA fuEu , oa vfr fuEu Jskh ¼0-25%
l s de½ ds vÙrxr v/; ; u {ks= ds 8 fodkl [k.M l ffeefyr g\$ tdfd 1975 ea
bl Jskh ds vÙrxr 5 fodkl [k.M l ffeefyr FkA

ijrh Hkife

परती भूमि के अन्तर्गत वे भूमि सम्मिलित है, जिस पर वर्तमान में कृषि कार्य ugha gks ik jgk g\$ yfdu vuply भौगोलिक परिवेश उत्पन्न होने पर कृषि कार्य सम्भव है। वास्तव में परती भूमि कृषि क्षेत्र में अभिवृद्धि की संभावना प्रस्तुत करती है।

nkfydk 1-5 % xkj [ki g tuin% ijrh Hkife dk forj.k

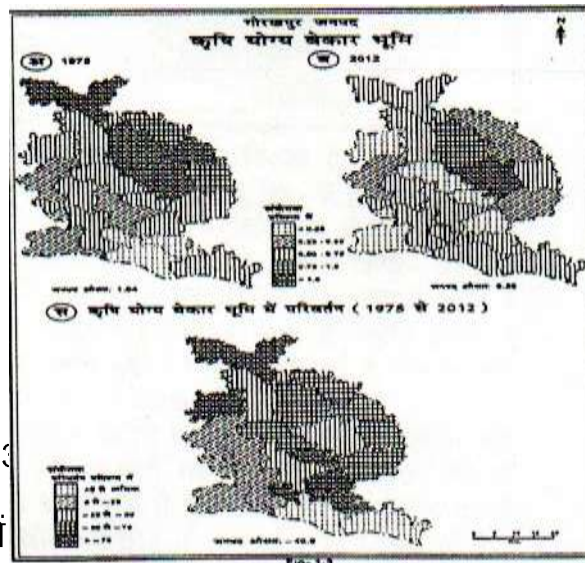
Øe	Js kh	ifr'kr	fodkl [k.Mka dh l a[; k		fodkl [k.Mka dk %	
			1975	2012	1975	2012
1	vfr fuEu	<2	4	-	21.05	-
2-	fuEu	2-4	13	2	68.42	10.52
3-	e/;	4-6	1	3	5.26	15.78
4-	mPp	6-8	-	6	-	31.57
5-	vfr mPp	>8	1	8	5.26	42.10

l kr& l kf[; dh if=dk] tuin xkj [ki g ¼ kks/kkfFkZuh }kjk ifjxf.kr½

{ks=h; forj.k ifr: lk %

v/; ; u {ks= ea ijrh Hkife ea of) gpl gA dy ifrofnr {ks= dk 7-88% भाग में परती भूमि, है, जो कुल 25854 हेक्टेयर है। कृषक अनेक कारणों से भूमि को ijrh NkMus dk iæq[k dkj.k pdcu/kh fØ; k] fl pkbZ , oa Jfedka dk vHkko gA bl ds vfrfjDr dN tyok; q rRo Hkh ijrh Hkife dk fu/kkZ.k djrs gA l okf/kd ijrh Hkife fi ijkSyh fodkl [k.M ea 13-31% gA l cl s de xsyk fodkl [k.M 2-7% gA tuin ds 9 fodkl [k.Mka ea vks r ¼7-88%) से अधिक, शेष 10 विकास [k.Mka ea vks r l s de ijrh Hkife gA vks r l s vf/kd dk ifr: lk {ks= ds mUkjh&if'peh] e/; &iwhz , oa dN nf{k.k&if'pe o nf{k.k&iwhz ea ns[kus dks feyrk g\$ tcf d {ks= ds mUkjh , oa mUkjh&iwhz , oa nf{k.k&e/; oxhZ Hkxka ea ijrh Hkife vks r ¼7-88%½ l s de feyrk gA ijrh Hkife dks ikp Jf.k; ka es

forhkr dj {ks=h; forj.k inf'kr fd;k x;k gA vfr mPp Js kh 18% l s vf/kd½ ea dby , d fodkl [k.M Fkk] tcf d l u~2012 ea bl Js kh ea 8 fodkl [k.M l fEefyr gA mPp Js kh ea 16&8%½ ea dkbZ fodkl [k.M ugha g\$ tcf d 2012 ea bl Js kh ea 6 131-57%½ fodkl [k.M&pjxkdk] fi i jkbp] l jnkjuxj] ck d xkdk] [ktuh , oa dEi ; jxat l fEefyr gA e/; e Js kh ea , d fodkl [k.M g\$ tcf d 2012 ea rhu fodkl [k.M gA fuEu , oa vfrfuEu ea 13 o 4 fodkl [k.M g\$ tcf d 2012 ea fuEu Js kh ea 2 fodkl [k.M rFkk vfrfuEu es dkbZ fodkl [k.M नहीं है। विगत 37 वर्षों में अध्य; u {ks= ea ijr h Hkfe ea 161-8% (16237 हे०) की अत्यधिक वृद्धि (9617 हे० से 25854 हे०) हुई है।



इस प्रकार विगत 37 वर्षों में राज्य की कृषि योग्य भूमि को कृषिगत भूमि में बदल दिया गया है। इस प्रकार विगत 37 वर्षों में राज्य की कृषि योग्य भूमि में 161-8% (16237 हे०) की अत्यधिक वृद्धि (9617 हे० से 25854 हे०) हुई है।

'kq) df"kxr Hkife

सामान्य भूमि के अन्तर्गत शुद्ध कृषिगत भूमि सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष है। एक
vkj rhoz tul a[; k of) ds dkj.k ifr 0; fDr कृषिगत भूमि का अनुपात निरन्तर
घटता जा रहा है, तो दूसरी ओर गैर-कृषि कार्यों का विस्तार, कृषिगत भूमि पर होते
tku से भी कृषिगत भूमि में ह्रास की प्रवृत्ति परिलक्षित होने लगी है। शुद्ध कृषिगत
भूमि का तात्पर्य उस भूमि से है, जो वर्तमान में कृषि उत्पादन के लिए प्रयोग में
yk; h tk jgh gA bl ds mi ; kx dh fofHkUu voLFkk, & l kekf'td] vkfFkd , oa
l kldfrd fodkl Lrj dk ifjpk; d gA

{k=h; forj.k ifr: lk

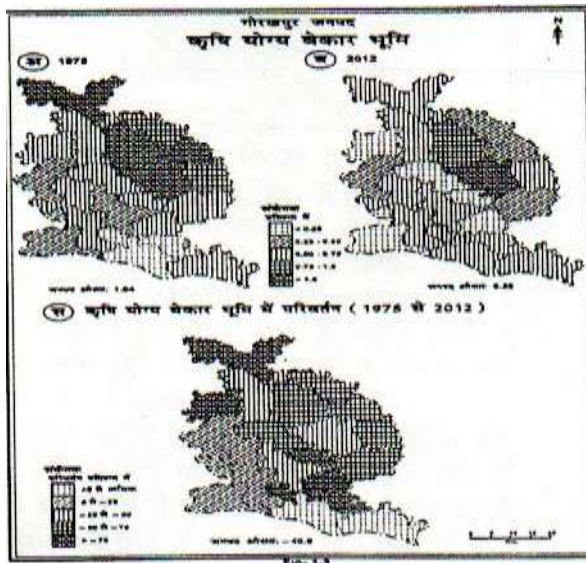
v/; ; u {k= ds dy ifronu {k= dk 74-25%) (243729 हे०) भाग 'kq)
कृषिगत भूमि है। अध्ययन क्षेत्र में कृषिगत भूमि का सर्वोच्च प्रतिशत (82-29%½
dkMh]ke fodkl [k.M ea rFkk l cl s de ifr'kr ½25-73%½ HkVgV fodkl [k.M
dk gA bl i dkj dy 13 ½68-42%) विकास खण्डों में शुद्ध कृषिगत भूमि औसत
½74-25%½ l s vf/kd g\$ tcf d 6 ½31-57%½ fodkl [k.Mka ea vk\$ r l s deA vfr
उच्च एवं उच्च कृषिगत भूमि के अन्तर्गत सरदारनगर, ब्रम्हपुर, कौड़ीराम, बांसगांव,
m: ok] xxgk , oa [ktuh fodkl [k.M g\$ tcf d fuEu , oa vfr fuEu Js kh ds
vUrxr 12 fodkl [k.M l fEefyr gA ½p= 1-5½

rkfydk 1-7 गोरखपुर जनपद: शुद्ध कृषिगत भूमि का वितरण

Øe	Js kh	i fr' kr	fodkl [k. Mka dh l a[; k		fodkl [k. Mka dk %	
			1975	2012	1975	2012
1	vfr fuEu	<50	-	1	-	5.26
2-	fuEu	50-75	6	11	31.57	57.89
3-	e/;	75-100	11	7	57.89	36.84
4-	mPp	100-125	2	-	10.52	-
5-	vfr mPp	>125	-	-	-	-

l ks& l kf[; dh if=dk] tuin xkj [ki g ¼ kks/kkfFkZuh }kjk ifjxf.kr½

अध्ययन क्षेत्र में शुद्ध कृषिगत भूमि में 1975 में 79.43% (264735 हे०) था जो 7.91% (21006 हे०) ह्रास के साथ 74.25% (243739 हे०) हो गया। अध्ययन क्षेत्र के 2 fodkl [k. Mks ea 30% l s f/kd dk àkl gqvk] tks [kkj kckj , oa xksyk ea ns[kus dks feyrk g\$ tcf d 20&30% के मध्य चरगावा एवं भटहट में कृषिगत भूमि में ह्रास gqvk ftudk foLrkj {ks= ds mUkj & i dhz Hkkx ea 10&20% dk àkl gqvk g\$ tcf d e/; orh&i f' peh l s nf{k. k i dhz Hkkx ea 10% का शुद्ध कृषिगत भूमि में ह्रास हुआ g\$



विगत 3 वर्षों में केवल 4 विकास खण्ड कैम्पियरगंज, जंगल कौड़िया खजनी, 10% से अधिक शुद्ध कृषिगत भूमि में वृद्धि हुई है। शुद्ध कृषिगत भूमि का अंश पूर्ति कृषिगत भूमि से ही होनी है। अतः इस भूमि का सम्यक और गहनता, प्रति हेक्टेयर उत्पादकता एवं कृषि विविधीकरण को प्रश्रय देना अपरिहार्य है, कृषिगत उत्पादकता में अभिवृद्धि के लिए कृषिगत प्रशस्त नहीं हो सकता। अतः कृषिगत उत्पादकता में अभिवृद्धि के लिए कृषिगत गहनता, प्रति हेक्टेयर उत्पादकता एवं कृषि विविधीकरण को प्रश्रय देना अपरिहार्य है, कृषिगत उत्पादकता में अभिवृद्धि के लिए कृषिगत

1. नहल

- 1- आर० बी० पटेल (1984), ग्रामीण विकास के अवस्थापना तत्वों की भूमिका: गण्डक क्षेत्र (उ०प्र०) का प्रतीक अध्ययन, अप्रकाशित शोध प्रबन्ध, दी०द०उ०गो०वि०, गोरखपुर, पृ० 101
- 2- अजय कुमार सिंह (2003), आजमगढ़ जनपद (उ० प्र०) में सिंचाई एवं कृषि उत्पादकता, अप्रकाशित शोध प्रबन्ध दी०द०उ०गो०वि०, गोरखपुर, पृ० 102
- 3- डॉ० उषा सिंह व धमेन्द्र प्रताप यादव (2013), बलिया जनपद में कृषि भूमि उपयोग में परिवर्तन, उ० भारत, भू० पत्रिका, अंक 43, 3 पृ० 2
- 4- अलका गौतम (2011), कृषि भूगोल शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृ० 117
- 5- I kf[; dh if=dk 1/20131/2 ftyk xkj [ki jA